हमें नैक एक्रिडेशन और एनआइआरएफ रैंक पर देना होगा ध्यान : शिक्षा मंत्री

कार्यशाला

संवाददाता, पटना

यूनिवर्सिटी में बेहतर शैक्षणिक माहौल का दावा करने के बजाय, हमें नैक एक्रिडेशन और एनआइआरएफ रैंक के माध्यम से इसे बताना चाहिए. इसका लाभ स्टूडेंट्स व के साथ-साथ संस्थानों और शिक्षकों को भी मिलेगा. नैक एक्रिडेशन और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एक-दूसरे का पूरक हैं. बेहतर ग्रेड और रैंक से शिक्षण संस्थानों की ब्रांडिंग होती है. ये बातें शनिवार को शिक्षा मंत्री चंद्रशेखर ने चंद्रगुप्त इंस्टीट्यूट आफ मैनेजमेंट पटना (सीआइएमपी) में बिहार राज्य उच्च शिक्षा परिषद द्वारा नैक एक्रिडेशन प्रक्रिया पर आयोजित कार्यशाला में कहीं. सीआइएमपी के निदेशक प्रो राणा सिंह ने धन्यवाद ज्ञापित किया. मौके पर रूसा बिहार के निदेशक प्रो कामेश्वर झा, डॉ श्याम सिंह इंदा आदि मौजूद थे.

नैक व एनआइआरएफ से फ्री में होगी ब्रांडिंग : नैक के नोडल पदाधिकारी प्रो एनके अग्रवाल ने कहा कि नैक का ग्रेड और एनआइआरएफ की रैंक संस्थान की राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर फ्री में ब्रांडिंग का अवसर देता है. छोटी-छोटी त्रुटियों को दूर कर नैक एक्रिडेशन में बेहतर ग्रेड प्राप्त किया जा सकता है.

49 में 41 कॉलेज के लोग ही पहुंचे : राज्य के 92 कॉलेजों का नैक एक्रिडेशन पिछले दिनों समाप्त हो गया है. इनमें से 49 कॉलेजों के प्रतिनिधि को शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित कार्यशाला में शनिवार को उपस्थित होना था, लेकिन 41 कॉलेज के प्रतिनिधि ही पहुंचे.

Prabhat Khabar ! Page.No-04 ! Dated:25-12-2022

नैक एक्रिडेशन और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एक-दूसरे के पूरक

जागरण संवाददाता, पटना : राज्य के विश्वविद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा राज्य सरकार की प्राथमिकता में हैं। नैक एक्रिडेशन और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एक-दूसरे के पूरक हैं। विश्वविद्यालय में बेहतर शैक्षणिक माहौल का दावा करने के बजाए, हमें नैक एक्रिडेशन और एनआइआरएफ रैंक के माध्यम से इसे बताना होगा। इसका लाभ छात्रों के साथ-साथ संस्थान और शिक्षकों को भी मिलेगा। बेहतर ग्रेड और रैंक से शिक्षण संस्थानों की ब्रांडिंग होती है। इसका लाभ छात्रों के प्लेसमेंट में मिलता है।

उक्त बातें शनिवार को शिक्षा मंत्री चंद्रशेखर ने चंद्रगुप्त इंस्टीट्यूट आफ मैनेजमेंट पटना (सीआइएमपी) में

राज्यस्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन करते शिक्षा मंत्री प्रो. चन्द्रशेखर ● जागरण

बिहार राज्य उच्च शिक्षा परिषद द्वारा नैक एक्रिडेशन प्रक्रिया पर आयोजित कार्यशाला में कहीं। उन्होंने कहा कि बिहार 'ज्ञान की भूमि' रही है। राज्य को सशक्त बनाने के लिए शिक्षा प्रणाली को मजबूत होना चाहिए। उच्च शिक्षा की निदेशक प्रो. रेखा कुमारी ने अतिथि व प्रतिभागियों का स्वागत किया। प्रो. राणा सिंह ने धन्यवाद ज्ञापित किया। मौके पर रूसा बिहार के निदेशक प्रो. कामेश्वर झा, डा. श्याम सिंह इंदा आदि मौजूद थे। नैक के नोडल पदाधिकारी प्रो. एनके अग्रवाल ने कहा कि छोटी-छोटी त्रुटियों को दूर कर नैक एक्रिडेशन में बेहतर ग्रेड प्राप्त किया जा सकता है।

शिक्षा से संस्कार जगाएं शिक्षक : मंत्री

जासं, पटना : प्राचीन नालंदा विश्वविद्यालय ने दुनिया को आकर्षित किया। महात्मा बुद्ध ने जाति से ऊपर उठकर समाज के उत्थान के लिए कार्य किया। शिक्षा से ही समाज में अच्छा विचार फैलाया जा सकता है। उक्त बातें शिक्षा मंत्री प्रो. चंद्रशेखर ने राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद द्वारा ज्ञान भवन में आयोजित एक दिवसीय शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम में कहीं। कार्यक्रम में राज्य भर अध्यापक शिक्षा संस्थानों के करीब 800 व्याख्याता शामिल हुए। व्याख्यान में विज्ञान एवं गणित विषय के शिक्षकों को माडल (खिलौने) के माध्यम से सीखने-सीखाने की रोचक प्रक्रिया की जानकारी दी गई। शिक्षा मंत्री ने शिक्षकों को महात्मा बुद्ध के जीवन से सीखने की सलाह दी। बुद्ध को बिहार की धरती सबसे अच्छी लगी। यहीं आकर ज्ञान प्राप्त किया। उस समय भारत विश्व गुरु था।

Dainik Jagran ! Page.NO-04 ! Dated:25-12-2022

नैक से बेहतर ग्रेड के लिए कॉलेजों को टिप्स

शिक्षा प्रणाली मजबूत होनी चाहिये : शिक्षा मंत्री

(आज शिक्षा प्रतिनिधि)

पटना। राज्य में जिन डिग्री कॉलेजों के नैक एक्रीडिएशन की अवधि समाप्त हो गयी है, उनके आईक्यूएसी निदेशकों एवं समन्वयकों को बेहतर ग्रेड लेने के

टिप्स दिये जा रहे हैं।

इसके लिए शनिवार को चन्द्रगुप्त प्रबंध संस्थान में शुरू हुई कार्यशाला में शिक्षा मंत्री प्रो. चन्द्रशेखर ने कहा कि हमारा बिहार 'ज्ञान की भूमि' है। बिहार ऐतिहासिक महिमाओं के लिए प्रसिद्ध है। बिहार को मजबूत बनाने के लिए हमारी शिक्षा प्रणाली मजबूत होनी चाहिये। इसे मजबूत बनाने के लिए हमारे मुख्यमंत्री अपने स्तर पर प्रयास कर रहे हैं। शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव दीपक कुमार सिंह ने नैक प्रत्यायन दल से दस्तावेज जमा करने की प्रक्रिया को 15 दिन और बढ़ाने का अनुरोध किया। उन्होंने यह भी कहा कि शिक्षा की पुस्तकालय प्रणाली को मजबूत करने के लिए ई-लाइब्रेरी प्रणाली भी शुरू की गयी है। नैक के सहायक सलाहकार डॉ. श्याम सिंह इंदा ने सलाह प्रक्रिया के लिए नैक द्वारा शुरू की गयी 'मार्गदर्शक' योजना की विस्तारपूर्वक चर्चा की। उच्च शिक्षा निदेशक प्रो. रेखा कुमारी ने कार्यशाला के औचित्य की चर्चा करते हुए नैक प्रत्यायन के महत्व का उल्लेख किया।

राज्य नोडल पदाधिकारी प्रो. एन.के. अग्रवाल ने नैक प्रत्यायन प्रक्रिया के लिए बिहार के सभी विश्वविद्यालयों और कॉलेजों का स्वागत करते हुए आयोजन के उद्देश्य के बारे में बात की। उन्होंने कार्यशाला के आयोजन के लिए बिहार राज्य उच्च शिक्षा परिषद और सीआईएमपी को धन्यवाद दिया। प्रो. अग्रवाल ने कहा कि विश्वविद्यालय अब विभिन्न कार्य कर रहे हैं और नैक की विभिन्न गतिविधियों में रुचि दिखा रहे हैं। कई विश्वविद्यालयों ने एनआईआरएफ रैंकिंग में भाग लेने के लिए रुचि दिखायी है। प्रारंभ में कई विश्वविद्यालय नैक के बारे में जागरूक नहीं थे, लेकिन विभिन्न प्रकार के जागरूकता कार्यक्रमों के कारण कई विश्वविद्यालय अब ए ग्रेड के साथ नैक का हिस्सा हैं। प्रो. अग्रवाल ने पंजीकरण की ऑनलाइन प्रक्रिया और नैक के लिए दस्तावेजों की आवश्यकताओं के बारे में भी चर्चा की। बिहार राज्य उच्च शिक्षा परिषद के उपाध्यक्ष प्रो. कामेश्वर झा एवं ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय की प्रो. डॉली सिन्हा भी मौजूद थीं। चंद्रगुप्त इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट के निदेशक प्रो. राणा सिंह उद्घाटन सत्र में धन्यवाद ज्ञापन किया।

आपको याद दिला दूं कि राज्य में 92 डिग्री कॉलेजों के नैक एक्रीडिएशन की अवधि समाप्त हो गयी है। इससे इन कॉलेजों को नैक (राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद) की जांच से फिर गुजरना होगा। उनमें से 49 डिग्री कॉलेजों के प्रतिभागियों की कार्यशाला शनिवार एवं रविवार को तथा दूसरे समूह के 43 डिग्री कॉलेजों के प्रतिभागियों की कार्यशाला 26 एवं 27 दिसंबर को है।

AAJ ! Page.No-05 ! Dated:25-12-2022

चन्द्रगुप्त प्रबंध संस्थान

नैक के लिए शोध के साथ शिक्षा प्रणाली को मजबूत करे संस्थान

एजुकेशन रिपोर्टर | पटना

चंद्रगुप्त इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट पटना में बिहार राज्य उच्च शिक्षा परिषद, शिक्षा विभाग की ओर से एक्रिडिएशन प्रक्रिया पर कार्यशाला हुई। इसमें मुख्य अतिथि शिक्षा मंत्री प्रोफेसर चंद्रशेखर ने कहा कि विश्वविद्यालयों के विकास में नैक की बहुत मान्यता है। इसलिए संस्थान शोध को बढ़ाए और शिक्षा प्रणाली को मजबूत करे। शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव दीपक कुमार सिंह ने कहा कि नैक प्रत्यायन दल से दस्तावेज जमा करने की प्रक्रिया को 15 दिन और बढ़ाने का अनुरोध किया गया है। प्रो. अग्रवाल ने कहा कि विवि अब विभिन्न कार्य कर रहे हैं और नैक की विभिन्न गतिविधियों में रुचि दिखा रहे हैं। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि अब विभिन्न विश्वविद्यालयों ने एनआईआरएफ रैंकिंग में भाग लेने के लिए रुचि दिखाई है।

नैक के लिए दस्तावेजों की आवश्यकता पर चर्चा

प्रो. अग्रवाल ने दर्शकों के साथ बातचीत में पंजीकरण की ऑनलाइन प्रक्रिया और नैक के लिए दस्तावेजों की आवश्यकताओं के बारे में भी चर्चा की। उच्च शिक्षा की निदेशक प्रो. रेखा ने प्रत्यायन के महत्व का उल्लेख किया। मौके पर सीआईएमपी के निदेशक प्रो. (डॉ.) राणा सिंह के साथ संकाय सदस्य, छात्र, कर्मचारी और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

Dainik Bhaskar ! Page.NO-05
Dated:25-12-2022

मजबूत शिक्षा प्रणाली से समृद्ध होगा बिहार : चंद्रशेखर

पटना/कार्यालय संवाददाता। शिक्षा मंत्री डॉ चंद्र शेखर ने कहा कि बिहार ज्ञान की भूमि रहा है और बिहार अतीत में हुई सभी ऐतिहासिक महिमाओं के लिए प्रसिद्ध है। बिहार को मजबूत बनाने के लिए हमारी शिक्षा प्रणाली मजबूत होनी चाहिए। बिहार को मजबूत बनाने के लिए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार सदैव अपने स्तर पर प्रयास कर रहे हैं। शिक्षा मंत्री रविवार को चंद्रगुप्त इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट में बिहार राज्य उच्च शिक्षा परिषद द्वारा आयोजित नैक एक्रीडेशन पर कार्यशाला का उदघाटन कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जिन कॉलेजों का नैक एक्रीडेशन छूट गया है वे आगे के लिए तैयारी करें ताकि वे भी नैक के दायरे में आ सकें। इस मौके पर शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव दीपक कुमार सिंह नैक प्रत्यायन दल से दस्तावेज जमा करने की प्रक्रिया को 15 दिन और बढ़ाने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि शिक्षा की पुस्तकालय प्रणाली को मजबूत करने के लिए ई-लाइब्रेरी प्रणाली भी शुरू की गई है। उच्च शिक्षा निदेशक प्रो रेखा कुमारी ने नैक एक्रीडेशन के महत्व का उल्लेख किया। राज्य नोडल पदाधिकारी प्रो. एनके अग्रवाल ने प्रत्यायन प्रक्रिया के लिए बिहार के सभी विश्वविद्यालयों और कॉलेजों का स्वागत किया। उन्होंने आयोजन के उद्देश्य के बारे में बात की। उन्होंने सबसे पहले इस कार्यशाला के आयोजन के लिए बिहार राज्य उच्च शिक्षा परिषद और सीआईएमपी को धन्यवाद दिया। प्रो. अग्रवाल ने कहा कि विश्वविद्यालय अब विभिन्न कार्य कर रहे हैं और नैक की विभिन्न गतिविधियों में रुचि दिखा रहे हैं। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि अब विभिन्न विश्वविद्यालयों ने एनआईआरएफ रैंकिंग में भाग लेने के लिए रुचि दिखाई है। प्रारंभ में कई विश्वविद्यालय नैक के बारे में जागरूक नहीं थे लेकिन विभिन्न प्रकार के जागरूकता कार्यक्रमों के कारण कई विश्वविद्यालय अब ए ग्रेड के साथ नैक का हिस्सा हैं। प्रो. अग्रवाल ने दर्शकों के साथ बातचीत में पंजीकरण की ऑनलाइन प्रक्रिया और नैक के लिए दस्तावेजों की आवश्यकताओं के बारे में भी चर्चा की। मुख्य अतिथि नैक के सहायक सलाहकार डॉ श्याम सिंह इंदा ने सीआइएमपी का धन्यवाद दिया और सलाह प्रक्रिया के लिए नैक द्वारा शुरू की गई मार्गदर्शकयोजना के बारे में भी बात की। कार्यक्रम में बिहार उच्च शिक्षा परिषद के उपाध्यक्ष प्रो. कामेश्वर झा, प्रतिकुलपति एनएनएमयू दरभंगा डॉ डॉली सिन्हा, सीआईएमपी के निदेशक डॉ राणा सिंह सहित कई लोगों ने अपने विचार प्रकट किये।

Sanmarg ! Page.N o-02 ! Dated:25-12-2022